Edit with WPS Office

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

विषय सह-शैक्षणिक गतिविधि **दिनांक - 17-07 -20**

वर्ग - तृतीय **वर्ग- शिक्षिका - नीतू कुमारी**

एन.सी.ई.आरटी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

आज फिर सी.सी.ए के अंतर्गत एक प्रेरक कहानी दे रही हूं। जो इस प्रकार है:-

हाथी और छह अंधे व्यक्ति

एक समय की बात है एक गांव में एक हाथी आया, और उसे देखने के लिए सारे गांव वाले इकट्ठे हुए, यह सुनकर पास के गांव से भी लोग आने लगे। उस गांव में कुछ ऐसे व्यक्ति थे जो देख नहीं सकते थे। उन्होंने आज तक बस हाथी के बारे में सुना था कभी छूकर महसूस नहीं किया था । उन्होंने निश्चय किया भले ही हम हाथी को देख नहीं सकते पर आज हम बस चल कर उसे महसूस तो कर सकते हैं ना ?"और फिर वह सब उस जगह की तरफ बढ़ चले जहां हाथी आया था। सभी ने हाथी को छूना शुरु किया।

"मैं समझ गया हाथी एक खंभे की तरह होता है", पहले व्यक्ति ने हाथी का पैर छूते हुए कहा। "अरे नहीं हाथी तो रस्सी की तरह होता है" दूसरे व्यक्ति ने पूछ पकड़ते हुए कहा।

"मैं बताता हूं यह तो पेड़ के तने की तरह होता है "तीसरे व्यक्ति ने सूट पकड़ते हुए कहा।" तुम लोग क्या बात कर रहे हो हाथी एक बड़े हाथ के पंखे की तरह होता है", चौथे व्यक्ति ने कान छूते हुए सभी को समझाया।

"नहीं नहीं, यह तो एक दीवार की तरह है ",पांचवें व्यक्ति ने पेट पर हाथ रखते हुए कहा। "ऐसा नहीं है, हाथी तो कट एक कठोर नली की तरह होता है ",छठे व्यक्ति ने अपनी बात रखी।

और फिर सभी आपस में बहस करने लगे और खुद को सही साबित करने में लग गए उनकी बहसतेज होती गई और ऐसे लगने लगा मानो वो आपस में लड़ ही पड़ेंगे। तभी वहां से एक आदमी गुजर रहा था। वह रुक और पूछा ",क्या बात है तुम सब आपस में झगड़ क्यों रहे हो?"

"हम सब यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि हाथी दिखता कैसा है ,उन्होंने उत्तर दिया। और फिर सब बारी-बारी से अपनी बात उस व्यक्ति को समझाएं। वह व्यक्ति ने सभी की बात सुनी और बोला तुम सब अपनी अपनी जगह सही हो , तुम्हारे वर्णन में अंतर इसलिए है क्योंकि तुम सब अलग-अलग भाग छूटे देखा जाए तो हाथी के वर्णन के लिए सही बैठती है यह सब बातें।

अच्छा ऐसा है सभी ने एक साथ उत्तर दिया उसके बाद कोई भी बात नहीं हुआ और सभी खुश हो गए कि वह सभी सच कह रहे थे।

Edit with WPS Office

इस कहानी से हमें यही पता चलता है कि हम ही सही हैं और बाकी सब गलत लेकिन यह संभव है कि हमें सिक्के का एक ही पहलू दिख रहा है और उसके अलावा भी कुछ ऐसा रहता है जो सही हो इसीलिए हमें अपनी बात तो रखनी चाहिए पर दूसरों की बात भी सबसे सोनी चाहिए और कभी बेकार की बहस मैं नहीं पड़ना चाहिए।

बच्चों आप चित्र को देखकर इस कहानी को समझे तथा लिखकर भेजें ।